राम तेरे चरण | By Rehan Khan

राम तेरे चरण इनपे अर्पित है मन
रोम रोम सदा तेरे ही गाये भजन
तू ही करतार है तू ही अवतार है
गूंजे हनुमान के उर में तेरी धुन

क्या दिवस क्या है रेन
मुख से निकले ये बैन
प्रभु श्री राम सा आचरण चाहिए
मेरी भक्ति भी तुम मेरी शक्ति भी तुम
मुझको रघुवर का ही बस वरन चाहिए
बिन तुम्हारे ना कुछ और देखें नयन
गूंजे हनुमान के उर में तेरी धुन

राम ही साधना राम ही साध्य है
राम मिलते उसे जिसको हनुमत चुने
राम आराधना राम आराध्य है
हर व्यथा भक्त की आ पवन सूत सुने
पल में कट जायेगा मोह माया का वन
गूंजे हनुमान के उर में तेरी धुन

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%b0%e0%a4%a3-by-rehan-khan/